# 14 साल बड़े शाहिद से शादी करने पर मीरा ने बताए थे फायदे

*इस बात में कोई दोराय नहीं कि भारत में अभी भी परिवार की ओर से तय की जाने वाली शादियों का चलन है, जिसके पीछे का सबसे बड़ा कारण क्योंकि इस तरह की शादियां प्रेम विवाह के मुकाबले अधिक सफल होती हैं। हालांकि, पितृसत्तात्मक समाज में विवाह को सफल बनाए रखने का ज्यादातर दायित्व महिलाओं पर ही होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अधिकांश घरों में पुरुष कमाने वाले होते हैं, जिसकी वजह से वह आर्थिक रूप से अपने साथी पर निर्भर रहती हैं। यही एक वजह भी है कि बहुत सी महिलाएं कड़वे अलगाव से गुजरने के बाद भी तलाक का रास्ता नहीं अपनातीं।*

हालांकि, पति–पत्नी के बीच न बन पाने की बहुत ही वजहों को माना गया है लेकिन उम्र का अंतर एक बड़ा मानक है, जिसकी वजह से बहुत से शादीशुदा जोड़े अलग हुए हैं। खैर, साथी के साथ उम्र में बड़े अंतर को शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत पूरी तरह निराधार मानती हैं। उनका कहना है कि अपने से बड़े साथी से आपको बहुत सी चीजें सीखने को मिल सकती है, जोकि आपके शादीशुदा रिश्ते के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

**अरेंज मैरिज पर खुलकर बोलीं मीरा**

शाहिद कपूर और उनकी पत्नी मीरा राजपूत की उम्र में करीब 14 साल का अंतर है। लेकिन इससे उनके रिश्ते पर कभी किसी तरह का कोई असर नहीं पड़ा है, जिस पर बात करते हुए मीरा ने अपने एक इंटरव्यू में कहा भी था श्अलग बैकग्राउंड्स से होने के बाद भी मैंने अपनी शादी को कभी भी एक चौलेंज की तरह नहीं लिया।

मुझे दिल्ली से मुंबई शिफ्ट होना मुझे अच्छा लगा। मुझे साउथ मुंबई हमेशा से पसंद था। यहां तक कि हमने अपनी पहली एनिवर्सरी कोलाबा में द टेबल में साथ खाना खाकर सेलिब्रेट की थी। मैंने मुंबई की जिंदगी और उसे जीने के तरीके को पूरी तरह अपना लिया है। मैंने शादी के बाद पहली बार रिप्ड जींस पहनी थी। इसके अलावा जिंदगी जीने के लिए शाहिद की सरलता ने हमेशा मेरे काम आई।

शाहिद मुझसे 14 साल बड़े हैं, तो इससे हमारे रिश्ते में कभी कोई फर्क नहीं पड़ा।

# पति से ऑफिस से कराया जाए काम...

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

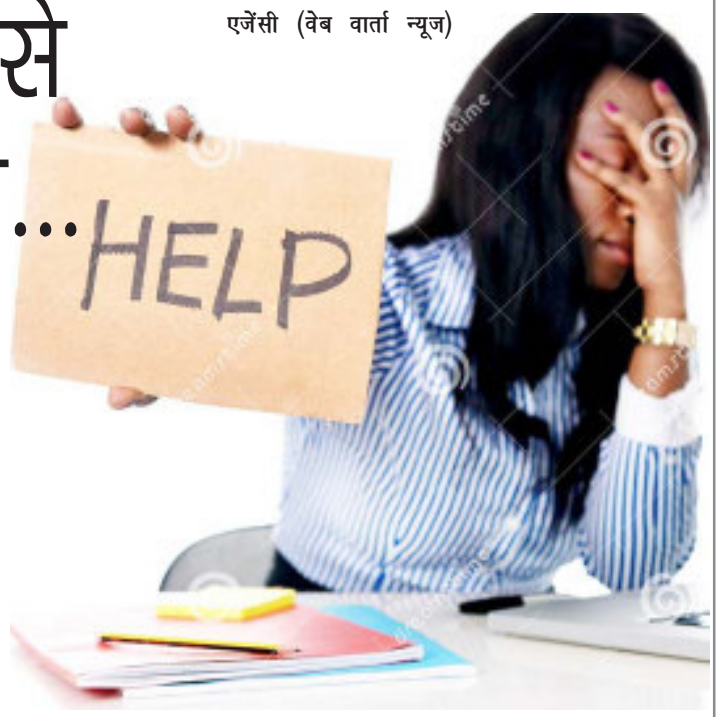


*इस बात में कोई दोराय नहीं कि कोरोनो वायरस की वजह से हुए होम क्वॉरेंटाइन के कारण कपल्स पहले के मुकाबले घर पर काफी समय बिता रहे हैं। वह 24'7 एक–दूसरे के साथ रहने के लिए मजबूर हैं। ब्टप्क–19 से पहले जहां अधिकांश जोड़े सुबह का नाश्ता–रात का खाना और सोने के एक साथ आते थे। वहीं अब हर दिन रविवार है, जिससे बहुत से लोग पूरी तरह ऊब गए हैं। कोरोना ने न केवल लोगों के जीने और काम करने के तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है बल्कि इसका असर उनकी शादीशुदा जिंदगी पर भी पड़ने लगा है।*

चीन के सरकारी आंकड़ों की मानें तो वहां पर पिछले सालों के मुकाबले में कोरोना के दिनों में तलाक की दर में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई है। वहीं भारत की स्थिति भी कुछ बेहतर नहीं है। कोरोना काल की वजह से ज्यादातर कपल्स का रिश्ता टूटने की कगार पर है। ऐसा ही हम यूं ही नहीं बल्कि इसी से जुड़ा एक लेटर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल भी हो रहा है, जिसमें एक पत्नी ने अपने पति के ऑफिस वालों से गुहार लगाई है कि उसके पति का वर्क फ्रॉम होम खत्म कर दिया जाए, जिसे देश के जाने माने उद्योगपति हर्ष गोयनका (भ्ंती ळवमदा) ने अपने ट्विट्टर हैंडल से शेयर भी किया है।

**ऐसा क्या लिखा खत में...**

महिला ने अपनी परेशानी जताते हुए लिखा श्डियर सर, मैं आपके कर्मचारी मनोज की पत्नी हूं। यह एक विनम्र अपील है कि उन्हें अब ऑफिस से काम करने की अनुमति दी जाए। मेरे पति को कोविड वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं। वह ऑफिस में काम करने के दौरान सभी कोविड प्रोटोकॉल को फॉलो करेंगे। अगर अब भी वर्क फ्रॉम होम कुछ समय तक चलता रहा, तो हमारी शादी निश्चित रूप से नहीं चलेगी। वह दिन में दस बार कॉफी पीता है, अलग–अलग कमरों में बैठता है और वहां गंदगी कर देता है, लगातार खाना मांगता है। मैंने उसे काम के दौरान सोते हुए भी देखा है। मुझे पहले से ही दो बच्चों की देखभाल करनी पड़ती है। मैं आपका समर्थन मांग रही हूं।श इस पोस्ट को शेयर करते हुए हर्ष गोयनका ने अपने कैप्शन में लिखा, श्पता नहीं उन्हें कैसे जवाब दूं... हालांकि, ध्यान देने वाली बात यह है कि इस पोस्ट को पढ़ने के बाद जहां कुछ लोग पत्नी की मजबूरी को समझते हुए अपने सुधार कर रहे हैं वहीं कइयों का मानना है कि वर्क फ्रॉम होम अभी खत्म नहीं होना चाहिए। खैर, छोटी–मोटी बातों पर मनमुटाव होना आम है। लेकिन यह भी सच है कि महिलाओं के लिए वर्क फ्रॉम होम में काम का बोझ हल्का होने की बजाए दोगुना हो चुका है। नौकरीपेशा महिलाएं जहां एक ओर वर्क फ्रॉम होम करते हुए 9–10 घंटे ऑफिशल काम कर रही हैं तो वहीं बचे हुए समय में उन्हें घर व परिवार का भी ध्यान रखना पड़ रहा है। यह स्थिति उन्हें रोज फिजिकली और मेंटली ज्यादा थका रही है।

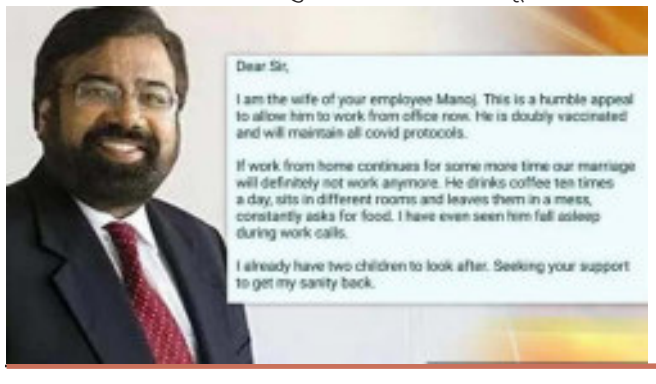


**पुरुषों की न के बराबर मदद**

भारतीय घरों में आमतौर पर घरेलू कामों की जिम्मेदारी महिलाओं के जिम्मे ही होती है। ऐसी स्थिति में अगर आम दिनों में भी अगर मेड छुट्टी कर ले तो काम के बोझ का बढ़ा हुआ प्रेशर महिला के हिस्से ही आता है। यही एक वजह भी है कि कामकाजी महिलाएं अपने लिए कुछ वक्त निकालने के लिए मेड का सहारा लेती थीं। अब उन्हें घर के सभी काम खुद ही करने पड़ रहे हैं। एक ओर अपने ऑफिस के 9 घंटे पूरे करने की चिंता सताती रहती है वहीं दूसरी ओर रात के खाने में क्या बनाना है? घर में कोई सब्जी है भी या नहीं? ऐसी तमाम बातें दिमाग में चलती रहती हैं, जो उन्हें मेंटली बहुत थका रही हैं। हालांकि, इस दौरान घर में रह रहे पुरुषों को भी समझना चाहिए कि आपकी पत्नी ऑफिस और घर, दोनों को मैनेज कर रही है। इसी बीच अगर उन्हें आपकी थोड़ी मदद मिल जाए तो कितना अच्छा रहेगा।

**क्यों न काम बांट लिया जाए**

एक रिपोर्ट कहती है कि अधिकतर परिवारों में पुरुषों से घरेलू कामों में हाथ बंटाने की अपेक्षा नहीं की जाती है। इस कारण उन्हें घर से जुड़े बेसिक काम करने में परेशानी आती है। यही एक वजह भी है कि वह एक ग्लास पानी पीने के लिए पति अपनी पत्नी पर निर्भर रहते हैं। एक तो बगैर किसी मदद के घर के सारे काम करना महिलाओं के लिए पहले ही मुसीबत बनता जा रहा है। वहीं इस दौरान उन्हें सोने के लिए भी पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में बचे हुए समय में क्वालिटी टाइम तो दूर बल्कि उन्हें अपना साथी अपने ऊपर बोझ लगने लगा है।

## क्रश को इम्प्रेस करने के लिए भूलकर भी न करें ये काम वरना होगा सिर्फ अफसोस

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि जब आपको कोई अच्छा लगने लगता है, तो आप हमेशा उसके करीब रहना चाहते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कई जतन भी करने पड़ते हैं। अगर कोई आपको अच्छा लगता है, तो उसे अपने दिल की बात समझाने और इम्प्रेस करने में कोई बुराई नहीं है। मगर कुछ ऐसी बातें भी होती है जो इस दौरान आप इग्नोर कर बैठते हैं और इसका खामियाजा बाद में आपको भुगतना पड़ता है।

क्रश का दिल जीतने के लिए कई प्रयास जरूर करें लेकिन उनके चमचे बनकर न रह जाएं। कई बार आप यह सोचकर ऐसा करने की कोशिश करते हैं कि एक बार आपके क्रश को आप पसंद आ जाए, उसके बाद सब सही होगा। हालांकि जब आप धीरे–धीरे अपने तरह से रहने लगते हैं, तब पार्टनर को तकलीफ होने लगती है। जब आप किसी को इम्प्रेस करने के लिए उसके पीछे–पीछे घूमने लगते हैं या कहें कि चिपकू की तरह बिहेव करने लगते हैं, तो ऐसा किसी को कुछ खास पसंद नहीं आता है। भले ही आपको लगता हो कि इस तरह से आप दिल जीतने में सफल हो सकते हैं, हालांकि लंबे समय तक ऐसा रिश्ता टिक पाना मुश्किल हो जाता है। इसका कारण है कि कई बार साथी को आपके इस तरह के नेचर की आदत हो जाती है।

## अपने विचारों को भी दें प्राथमिकता

जिस शख्स को आप पसंद करते हैं, उसकी विचारों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। हर मामले में उनकी राय सुनना, जानना और समझना आपका फर्ज है, लेकिन सिर्फ उनकी हां में हां मिलाना सही नहीं। इससे रिश्ते में आपका महत्व कम होने लगता है और एक वक्त ऐसा आता है जब पार्टनर अपनी मनमानी करने लगता है। वह आपको और आपके विचारों को तवज्जो देना कम कर देता है, जिसके बाद आप कुंठा सी महसूस करने लग जाते हैं। इस बात को न भूलें कि खुद के विचारों और अपना ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है जितना जरूरी पार्टनर की इच्छा का ख्याल रखना है। कई बार आप जिससे प्यार करते हैं, उन्हें इम्प्रेस करने के लिए हर जगह खूब खर्चा करने लग जाते हैं। महंगे गिफ्ट्स, शॉपिंग और खाने की टेबल पर पहले बिलिंग कराने लग जाते हैं, मगर ऐसा करना आज तो भले ही आपको अच्छा लग रहा हो लेकिन बाद में पछताना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि पार्टनर की आपसे एक उम्मीद बंध जाती है और कई लोग इसका फायदा भी उठाने लगते हैं। इससे आपके रिश्ते की नींव प्यार और विश्वास से ज्यादा पैसों पर टिकी रहेगी, जो एक हेल्दी रिलेशनशिप के लिए बिल्कुल ठकी नहीं।

## वो 4 बातें जो शादी के दिन लगभग हर लड़की मन ही मन कहती है

महीनों पहले से चल रहे शादी के धूम–धड़ाके वाले माहौल में आखिरकार वह दिन आ ही जाता है, जहां एक तरफ तो उत्साह–आनंद और खूब सारा शोर–शराबा मच रहा होता है तो वहीं दूसरी तरफ दुल्हन के माता–पिता की आंखें हर पल नम रहती हैं। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं, वो चार बातें जो विवाह वाले दिन हर लड़की के मन में चल रही होती हैं। जो उसकी सबसे बड़ी चिंता होती है, वह उसका वेडिंग ऑउटफिट, जो न उससे पहनते बन रहा है न ही उसे संभालते। शादी वाले दिन यूं हर दुल्हन ही खूबसूरत लगना चाहती है लेकिन हेवी लहंगे को पहनकर उसे हर वक्त यह डर लगा रहता है कि वह इसमें कहीं गलती से गिर ना जाए।

वहीं दूसरी तरफ अपनी शादी में बनें लजीज आइटम को देखकर उसके मुंह में पानी आता रहता है। शादी के दिन ज्यादातर लड़कियां हर पल अपने माता–पिता के पास रहना चाहती हैं। अगर सब चीजें उसके हिसाब से हो जाएं तो वह यही सोचती है कि चलो पैसा वसूल हो गया।